ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

MANAGE

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड VIII अंक-VIII

नवंबर 2016

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में:

- राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में कृषि उधमियों को मैनेज का सहयोग
- इस माह के कृषि उधमी – श्री हरेन्दर सिंह, उधम सिंह, उत्तरखंड
- इस माह का संस्थान – कृषि विज्ञान केंद्र (के वी के), नारायण गाँव, महाराष्ट्र
- विस्तार सेवाओं हेतु कृषक-मित्र का सम्मान

कृषिउद्यमी की मुफ्त हेल्पलाइन का उपयोग करें

1800 –425-1556

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में कृषि उधमियों को मैनेज का सहयोग

राष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनी में मैनेज द्वारा कृषि उधमियों का सहयोग राष्ट्र स्तर पर अपनी पहचान बनाने तथा विपणन के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से, मैनेज कुछ स्थापित कृषि उधमियों की सहायता करता आया है। नवंबर 2016 के दौरान दो राष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया – 9 से 11 नवंबर 2016 के बीच राजस्थान कन्वेन्शन सेंटर (JECC) जयपुर तथा 24 से 28 नवंबर 2016 के दौरान राष्ट्रीय ग्रामीण व पंचायती राज संस्थान राजेन्द्रनगर, हैदराबाद, तेलंगाना राज्य के ग्रामीण टेक्नोलोजी पार्क में ग्लोबल राजस्थान एग्री टेक मीट -2016 का आयोजन किया गया। ग्लोबल राजस्थान एग्री टेक मीट-2016 का उदघाटन श्रीमति वसुंधरा राजे, राजस्थान की माननीय मुख्य मंत्री तथा खेलकूद मंत्री, भारत सरकार, राज्यवर्धन राठोड दुवारा किया गया। मैनेज दुवारा, ए सी एवं ए बी सी योजना के तहत प्रशिक्षित 9 कृषिउधमियों – श्री बाबू लाल सैनी – पुष्प खेती उत्पादन तथा डेयरी फोर्मिंग, श्री कुशीराम गुर्जर – बकरी पालन, श्री महेश चंद डेयरी फोर्मिंग, श्री कैलाश चाने जाट – डेयरी पालन व वर्मी कम्पोस्ट, श्री कपिल यादव – मशरूम उत्पादन, श्री महेन्द्र कुमार – डेयरी पालन, श्री धर्मेंद्र चौधरी – डेयरी पालन, श्री इंद्रराज जाट – एग्री इनपुट्स विपणन में तथा श्री सत्यप्रकाश गुर्जर – डेयरी पालन को पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया। इन चार दिनों के दौरान राज्य के विभिन्न भागों तथा विभिन्न क्षेत्रों के एक लाख लोगों ने इस प्रदर्शनी (स्टॉलों) का दोरा किया। आगंतुकों ने न केवल प्रदर्शित उत्पादों में बल्कि कृषि उधमियों की जीवनचर्या व उनकी गतिविधियों में गहरी दिलचस्पी दिखाई।

श्रीमती उषा रानी आई.ए.एस. महानिदेशक, रूरल क्राफ्ट प्रदर्शनी, हैदराबाद में प्रदर्शित उत्पादनो का अवलोकन करते हुए.

शेष पृष्ठ ४ पर .....

उत्तराखंड के कृषि उधमियों द्वारा बीज उत्पादन सफलता प्राप्ति

किसान, फसल तथा उत्पादकता को बढ़ाने के लिए गुणकारी बीजों की आवश्यकता का महत्व समझते है। तथापि क्षेत्र की दुष्करता तथा बार बार होने वाले भूस्खलन के फलस्वरूप सड़क मार्ग के व्यवधानों के कारण वे चाहते है कि बीज उनके निकटवर्ती स्थानों पर उपलब्ध करवाएँ जाएँ। उनकी इसी मांग तथा समस्या को ध्यान में रखते हुये मैंने तराई सीड फॉर्म व कंपनी की शुरुआत की – जिसमें उत्तराखंड राज्य के 40 गावों के 300 किसानों द्वारा गेहूँ, चावल, सरसों तथा चने के बीज मँगवाए जाते हैं – ऐसा कहना है कि चिलंकी गाँव, पी ओ (दराऊ) उधम सिंह, उत्तराखंड राज्य के निवासी श्री हरेन्द्रर सिंह (30) का। अपना खुद का व्यापार चलाकर स्वरोजगार शुरू करना श्री हरेन्द्रर सिंह का सपना था। उधम शुरू करने से पहले, उन्होंने जुब्लिएंट कृषि एवं ग्रामीण विकास संस्थान उत्तरप्रदेश में दाखिला लिया जो ए सी व ए वी सी योजना के तहत एक नोडल प्रशिक्षण संस्थान है। हरेंदर सिंह के अनुसार उत्साहवर्धक फ़ील्ड- दौरे, अच्छे व्याख्यान और विधवान संसाधन कर्मियों ने पूरा सहयोग प्रदान किया। " इस प्रशिक्षण के दौरान, श्री हरेन्द्र सिंह को ज्ञात हुआ कि इस योजना के तहत न्यूनतम 5 प्रशिक्षित व्यक्तियों के दल दुयारा स्थापित कृषि उधम (वेंचर) के लिए 100 लाख रु॰ के ऋण का प्रावधान है – उस दल में से एक सदस्य प्रबंधन क्षेत्र से भी हो सकता है। हरेन्द्र सिंह के साथ श्री राहुल राणा, श्री चितरंजन कुमार, श्री राहुल कुमार तथा श्री युवराज सिंह नामक चार अन्य सदस्यों ने एक दल बनाया और संयुक्त उधम के रूप में, एक बीज उत्पादन इकाई शुभारंभ किया।

श्री. हरेन्दर सिंह , कृषि उद्यमी तराई बीज एकक में

Tarai Seeds

नोडल प्रशिक्षण संस्थान ने बैंक में प्रस्तुत करने के लिए 1.00 करोड़ रू की परियोजना रिपोर्ट तैयार करने में उनकी सहायता की। हरेन्द्र सिंह के अनुसार, नैनीताल बैंक प्रा॰ लि॰ नैनीताल शाखा, उत्तराखंड के सहयोगी प्रशिक्षण प्रभाग के कारण बैंक से ऋण मिलना आसान हो पाएगा। बैंक ने 65 लाख का ऋण मंजूर किया जबकि पहाड़ी क्षेत्र के तहत होने के कारण नाबार्ड द्वारा 44% की राहत (सब्सिडी) प्रदान की गई। ए सी व ए बी सी योजना के तहत 65 लाख रू का समूह ऋण की मंजूरी मिलना भी अपनी तरह की पहली घटना थी। श्री हरेन्द्र सिंह के अनुसार उन्होने 10000 स्क्वे॰ मीटर के क्षेत्र में बीज प्रोसेसिंग इकाई की शुरुआत की जिसमें से 1000 स्क्वे॰ मीटर का बिल्ट अप एरिया है। प्रत्येक भागीदार के 25% शेयर के साथ, 1.00 करोड़ के प्रार प्रारम्भिक निवेश से फैक्ट्री शुरू हुई। यह इकाई समस्त आवश्यक –बीज संसाधन, मशीनरी जैसे – मैकनिकल ड्रायर, इलेवेटर्स-3॰, प्री- क्लीनर, साइज़ ग्रेउर, इंडेटेड सिलेन्डर केमिकल ट्रीटर स्वचालित डोजिग मशीन, कन्वेयर बेल्ट, बैग स्टिचिंग मशीन तथा अन्य विविध उपकरणों से सुसज्जित है। यह इकाई, सड़क मार्ग से जुड़े क्षेत्र में स्थित है – जहां के आसपास के खेतों में धान और की सघन खेती की दोनों मौसमों में की जाती है। ब्रीडर बीजों को गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, आजाद विश्वविद्यालय कानपुर तथा फ़रीदाबाद की कुछ निजी कंपनियों से प्राप्त किया जाता है। इसके पश्चात बीजों को तराई खेत में कुशल पर्यवेक्षण के तहत बोया जाता है। इसके उपरांत इन्हें साफ करके ग्रेड करते हैं, यदि इन बीजों का जर्मिनेशन बीज प्रमाणन के मानकों के अंतर्गत स्वीकार्य हो जाता है तो आधारिक बीजों के रूप में इनका प्रमाणन होता है और इन बीजों को पंजीकृत किसानों (ठेके पर) में वाणिज्यिक फसलों के उत्पादन हेतु वितरित कर दिया जाता है। ब्रीडिंग से लेकर आधारिक बीज बनने की इस पूरी प्रक्रिया में, गुणता – नियंत्रण को पर्याप्त महत्व दिया जाता है।

श्री हरेन्दर सिंह

तराई फार्म , उधमसिंघ उत्तराखंड ,इ-मेल :hs_malik007@yahoo.com **मोबाइल : +91 9536223038**

श्री अनिल गामाजी मेहर

नोडल अधिकारी

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान का नाम : कृषि विज्ञान केंद्र (के वी के) नारायण गाँव

पता ; कृषि विज्ञान केंद्र पुणे नासिक राजमार्ग, कृषि विश्व विद्यालय, नारायण गाँव तालुक्क – जुनार जिला पुणे – 410504

मोबाइल नंबर - 09822023152, 09970196260

ई मेल - gmnkvk@rediffmail.com

प्रशिक्षणों की संख्या ; 3

प्रशिक्षित प्रत्याशियों की संख्या ; 61

प्रशिक्षणाधीन प्रत्याशियों की संख्या ; 24

"करके सीखों" स्वरोजगार का प्रसार ; कृषि विज्ञान केंद्र, नारायण गाँव का मूलमंत्र

कृषि विज्ञान केंद्र नारायण गाँव की स्थापना 01 जून 2010 में हुई थी, इसका कार्यक्षेत्र छह तहसीलों जैसे – जुनार, अम्बेगाँव, खेड़, शिरुर, मरल और पुणे जिला का ही मुलाशी आदि है। इस कृषि विज्ञान केंद्र उद्देश्य, किसानों को आवश्यकता पर आधारित प्रशिक्षण प्रदान करना ताकि वे अपनी जानकारी और कौशल में वृद्धि कर आधुनिक कृषि तकनीकों से जुड़ सके । इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु के वी के फसल उत्पादन, प्रत्यक्ष फसल का डेमो, क्षेत्र ट्रायल तथा ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम चलाता है। के वी के की गतिविधियाँ मुख्य फोकस विभिन्न कृषि तकनीकों के कार्यान्वयन से फसल उत्पादकता की वृद्धि पर होता है। इसके अलावा, तकनीक की प्रक्रिया को तेज़ करने के लिए के.वी.के. द्वारा किसानों को मिट्टी/पानी/संयंत्र/ उर्वरक प्रशिक्षण तथा जैव-उर्वरकों, बायो कीटनाशकों, वर्मी कम्पोस्ट, वर्मिवाश आदि सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

ऐसी ए बी सी प्रशक्षणार्थी केवीके, नारायणगांव के संसथान में

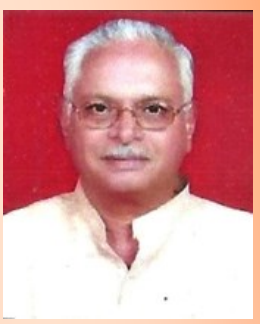

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा, वर्ष में, किसानों, महिलाओं तथा ग्रामीण युवाओं के लिए औसतन 60 से 70 आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जाते हैं। के.वी.के. द्वारा ग्रामीण युवाओं को उद्यमशीलता के विकास के लिए दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक वोकेशनल प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। ग्रामीण उदयमशीलता की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुये 2016 से कृषि विज्ञान केंद्र, नारायण गाँव, मैनेज हयदेरब्द के संयोजक से एग्री क्लीनिक्स और एग्री-व्यापार केंद्र (एसी एवं एबीसी) योजना को लागू करने के लिए नोडल प्रशिक्षण संस्थान के रूप में कार्यरत है। इस योजना के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करते हुये के.वी.के ने 61 उम्मीदवारों के दो प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए। 24 प्रत्याशियों का तीसरा बैच आयोजित होने वाला है। मैनेज, हैदराबाद शुभकामनायें देता है।

पृष्ठ सं. 01 से जारी.....

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा अपने संस्थान के स्थापना दिवस समारोह के एक भाग के रूप में, ग्रामीण तकनीकी तथा क्राफ्ट मेले का आयोजन किया गया। भूतपूर्व महानिदेशक श्री. टी.एल. शंकर, श्री. एम. लिंगदोह, श्री. आर. सी. चौधरी, श्री. बी.के. सिन्हा, श्री. मैथ्यू सी.कुन्नमकल, तथा वर्तमान महानिदेशक डॉ. डब्ल्यू.आर. रेड्डी ने 24 नवम्बर 2016 को ग्रामीण विकास पर राष्ट्रीय फ्लिमोत्सव का उद्घाटन किया। मेले में, तीन राज्यों के आठ कृषि उद्यमियों ने भाग लिया। हैदराबाद, तेलंगाना के कृषि उद्यमी श्री. रामचंद्रा अप्पारी ने नर्सरी, और बागबानी (लैंडस्केपिंग) गतिविधि का प्रदर्श किया, श्री. एन. भूरासोली, श्री. एस. सेल्वन और श्री. वेदनायकम, तमिलनाडु ने प्राकृतिक खाद्य पदार्थों एवं विटामिनों का डेमो किया, जबकि तमिलनाडु के ही श्री. पी. जयकुमार और श्री. पी. वेलराज ने वर्मिकोंपोस्टिंग और बायो उत्पादों को प्रदर्शित किया। हैदराबाद, तेलंगाना की श्रीमती. सरिता रेड्डी के पौधा-प्रोबायोटिक भूजीवन, खाद्य, माइक्रो पोषक-पदार्थ तथा जैव उर्वरकों को तथा पुणे महाराष्ट्र के श्री. रमेश खलदकर ने रासायनिक उत्पादों का प्रदर्शन किया। उद्यमियों द्वारा एसी एवं एबीसी के बारे में, आवश्यक जानकारी दी गयी तथा सफल कृषि उद्यमियों की गतिविधियों का प्रकटन किया गया।

राजस्थान की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंदरा राजे तथा श्री. राधामोहन कृषि, सहकारिता एवं कृषि कल्याण मंत्री, भारत सरकार, स्वामी केशवनंद, उपकुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर आदि गणमान्य व्यक्तियों ने ग्लोबल राजस्थान एग्री-टेक मीट-2016 में स्टॉल का दौरा किया और वहाँ मौजूद कृषि उद्यमियों से बात की। ग्रामीण क्राफ्ट मेले में, श्रीमती उषा रानी, आई ए एस, महानिदेशक, मैनेज, माननीय सांसद श्री. कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी तथा कोलाहपुर की राजकुमारी, कोलाहपुर के एम.एल. ए की पत्नी आदि ने मैनेज के स्टॉल का दौरा किया और कृषि उद्यमियों से वार्तालाप की। आगंतुकों ने 'विजिटर बुक' में लिखा- "उत्तम, उत्कृष्ट तथा अत्यंत आविष्कारी प्रयास, जिसे बेरोजगार कृषि व्यवसायियों के लाभ हेतु राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करना आवश्यक है"।

कृषि राज्य अधिकारी कृषि उद्यमी से बातचीत करते हुए

कुलपति, स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय , बीकानेर में हुई एग्री मीट में विजिट किये

डॉ. सर्वानन राज, निदेशक, कृषि विस्तार, मैनेज, कृषि उद्यमियों से बात करते हुए

माननीय संसद के सदस्य श्री विश्वेश्वर रेड्डी कोंडा कृषि उद्यमियों से बातचीत करते हुए

राजकुमारी, कोल्हापुर मैनेज के स्टाल को भेंट की

विस्तार सेवाओं हेतु 'कृषक-मित्र' का सम्मान

उन्नाव जिला, उत्तरप्रदेश के मूल-निवासी राजेश कुमार सिंह (28) एग्री-क्लीनिक्स एवं एग्री-व्यापार योजना के तहत प्रशिक्षित एक कृषि स्नातक है। प्रशिक्षण के तुरंत बाद, उन्होंने ग्राम व ब्लॉक स्तर पर "किसान गोष्ठी" आयोजित कर, विस्तार सेवाएँ आरंभ की। बैंक ऑफ इंडिया, की उन्नाव शाखा से पाँच लाख रु. का ऋण लेकर उन्होंने "उन्नाव एग्री-क्लीनिक्स तथा एग्री-व्यवसाय केंद्र" के नाम से अपनी दुकान का पंजीकरण करवाया और कृषि इनपुट की बिक्री आरंभ की। खेतों का दौरा उनकी दैनिक दिनचर्या थी। उन्होंने किसानों को बीज-ट्रीटमंट, रासायनिक खेती, वेरमी कोंपोस्ट बनाने, एकीकृत पोषण-प्रबंधन, अच्छी क़िस्मों का चयन, कीट एवं रोग निदान तथा नियंत्रण आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। श्री. राजेश की इन सेवाओं से 40 गांवों के लगभग 3000 किसान लाभान्वित हुये। उनके दुकानों का वार्षिक टर्नओवर 100 करोड़ रु. तक पहुँच चुका है। उनके फ़र्म में 6 कर्मचारी कार्यरत हैं। श्री. राजेश, नियमित रूप से, एग्री-व्यापार में भाग लेते हैं और अपने उत्पाद व सेवाओं की जानकारी देते रहते हैं। श्री. संजीव कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी ने उन्हें शील्ड व प्रमाण पत्र प्रदान किया। 25 से 27 नवम्बर 2016 तक जी.आई.सी. ग्राउंड उन्नाव जिला तीन दिवसीय किसान मेला आयोजित किया गया। 100 स्टालों में सेउन्नाव एग्री क्लीनिक्स को प्रथम पुरस्कार मिला। श्री. सुरेन्द्र सिंह, जिला कलेक्टर उन्नाव ने श्री. राजेश को शील्ड व प्रमाण-पत्र से पुरस्कृत किया। श्री. राजेश 'कृषक-मित्र' के नाम से प्रसिद्ध है। मैनेज उन्हें शुभकामनाएँ (गुड लक) देता है। उनका संपर्क नंबर: 919838178747

श्री राजेश सिंह, कृषि उद्यमी

श्री राजेश जी को बागवानी प्रदर्शनीं में पुरुष्कृत किया गया है

श्री राजेश जी को कृषि प्रदर्शनीं में पुरुष्कृत किया गया है

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

AGRICLINICS & AGRIBUSINESS CENTRES
BETTER FARMING BY EVERY FARMER

कृषि उद्यमी उद्यमवृत्ति विकास केंद्र (सीएडी),
राष्ट्रीय कृषि विस्तारण प्रबंध संस्थान (मैनेज,)राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500 030, भारत
ई-मेल: indianagripreneur@manage.gov.in

"कृषि उद्यमी " श्रीमती वी.उषा रानी, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज द्वारा प्रकाशित है।
मुख्य संपादक : श्रीमती वी. उषा रानी, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज
संपादक : डॉ सरवनन राज निदेर्शक (कृषि विस्तार /(सी.ए.डी.)
सहायक संपादक : डॉ. लक्ष्मी मूर्ति, श्रीमती. ज्योति सहारे
हिन्दी अनुवाद : डॉ. के. श्रीवल्ली